अनेकता में एकता लिरिक्स

जन्म भूमि राम की ध्रुव की तपस्थली,
शक्ति के प्रतीक में सहासी महाबली ।
नर नारायणो की धरती ये प्यारी है,
अनेकता में एकता विशेषता हमारी है ।।

पुण्य कला देव वे कृष्ण भी यही हुए,
त्यागशील दधिचियो हरिश्चंद यही हुए ।
कदम कदम पर त्याग की गाथा ही न्यारी है,
अनेकता में एकता विशेषता हमारी है ।।

दुनिया में व्यापत है संस्कृति की अजेयता,
मात्र भूमि धन्य है आशय ग्यानी श्रेष्ठ ।
भोग वादी संस्कृति सत्य शिव से हारी है,
अनेकता में एकता विशेषता हमारी है ।।

https://allbhajanlyrics.com/anekta-me-ekta-visheshta-hamari-hai-lyrics/

हो जाओ तैयार साथियों देशभक्ति गीत

नन्हे मुन्ने बच्चे तेरी मुट्ठी में क्या है लिरिक्स